

**STUDY ON PROBLEMS AND PROSPECTS OF TOURISM  
DEVELOPMENT IN JHARKHAND: AN ANALYSIS**

**DISSERTATION SUBMITTED TO ST. XAVIER'S COLLEGE MAHUADANR**

**AFFILIATED TO NILAMER PITAMBER UNIVERSITY**

**BACHELOR OF ARTS**

**BY**

**GROUP – C**

<b>RAHUL RAM</b>	<b>NPU2020013247</b>
<b>REEMA KUMARI</b>	<b>NPU2020013270</b>
<b>ASHWENI KUJUR</b>	<b>NPU2020013278</b>
<b>ANUPAMA KUJUR</b>	<b>NPU2020013346</b>
<b>JAGRANI TOPPO</b>	<b>NPU2020013382</b>

**Under the guidance of**

**Asst. Prof. DR. MD AREFUL HOQUE**

**( MA, UGC, NET, PH.D )**

**DEPARTMENT OF GEOGRAPHY**

**ST. XAVIER'S COLLEGE MAHUADANR**

**Nationally accredited with Grade 'B' (NAAC)**

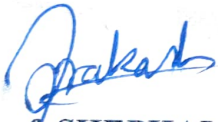
**MAHUADANR, LATEHAR, JHARKHAND – 822119**

## CERTIFICATE

This is to certify that the dissertation entitled “**STUDY ON PROBLEMS AND PROSPECTS OF TOURISM DEVELOPMENT IN JHARKHAND**” submitted to St, Xavier’s College Mahuadanr in partial fulfilment of requirement for the award of Bachelor of Arts in Geography to awarded by the University of Nilamber Pitamber is a bonafide record of the work carried out by

<b>RAHUL RAM</b>	<b>NPU2020013247</b>
<b>REEMA KUMARI</b>	<b>NPU2020013270</b>
<b>ASHWENI KUJUR</b>	<b>NPU2020013278</b>
<b>ANUPAMA KUJUR</b>	<b>NPU2020013346</b>
<b>JAGRANI TOPPO</b>	<b>NPU2020013382</b>

During the academic year 2020 – 2023



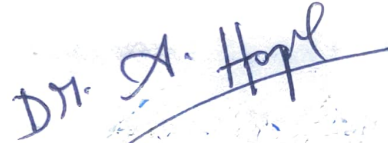
Asst. Prof. **SHEPHALI PRAKASH**

Head of the department

Department of Geography

St. Xavier’s College Mahuadanr

Latehar, Jharkhand – 822119



Asst. Prof. **DR. MD AREFUL HOUQUE**

Dissertation guide

St. Xavier’s College Mahuadanr

Latehar Jharkhand – 822119

Head of the Department  
Dept. of Geography  
St. Xavier’s College Mahuadanr  
Latehar, Jharkhand – 822119

## ACKNOWLEDGEMENT

First of all we praise and thank the **ALNIGHTY GOD** from the depth of heart for showering his grace, love and blessing to make this endeavour possible.

We are profoundly thankful to our beloved principal, **Fr. MK. Joseph SJ** for allowing us to study the under graduate course in this historical institution.

We thank **Miss. Shephali Prakash**, Head of the Department of Geography, **St. Xavier's College Mahuadanr – 822119**, for allowing us to take this dissertation and for permission to use the lab and the instruments available in the department.

Assistant Prof. **Dr. MD AREFUL HOQUE ( M.A. UGC NET PH.D)** was our guide for this dissertation . we are extremely grateful for her inspiring guidance, useful discussion and encouragement throughout the dissertation and whose meticulous and patient guidance has enriched us personally and intellectually.

We express our heartfelt thanks to all my fellow students who encouraged us to finish this dissertation successfully.

*Rahul Ram* RAHUL RAM

*Reema Kumari* REEMA KUMARI

*Ashwani Kujur* ASHWANI KUJUR

*Anupama Kujur* ANUPAMA KUJUR

*Jagrani Topko* JAGRANI TOPPO

## विषय सूची

क्र.सं.	विषय सूची	पृष्ठ सं.	हस्ताक्षर
1	पर्यटन का परिचय	1	
2	पर्यवरण की परिभाषा	1-3	
3	झारखण्ड के मुख्य पर्यटन स्थल <ul style="list-style-type: none"> <li>• नेतरहाट</li> <li>• लोध जलप्रपात</li> <li>• बेतला राष्ट्रीय उद्यान</li> <li>• दशम जलप्रपात</li> <li>• जोन्हा जलप्रपात</li> <li>• पतरातू वैली</li> <li>• कैनेरी पहाड़</li> <li>• रजरप्पा जलप्रपात</li> <li>• गॉड हिल और रॉक गार्डन रांची</li> <li>• हुंडरू जलप्रपात</li> <li>• जुबली पार्क</li> <li>• जवाहर नेहरू जैविक उद्यान</li> <li>• बिरसा जैविक उद्यान</li> <li>• सदनी जलप्रपात</li> <li>• पंचघाघ जलप्रपात</li> <li>• बोकारो इस्पात पुस्तकालय</li> <li>• डिमना झील</li> <li>• टैगोर हिल</li> <li>• पारसनाथ पहाड़</li> <li>• दलमा अभ्यारण्य</li> </ul>	3-15	
4	क्या है पर्यटन	16	
5	पर्यटन के मुख्य उद्देश्य	16-17	
6	पर्यटन के प्रकार	18	
7	पर्यटन की विशेषताएँ	18	

## निष्कर्ष

झारखंड में टूरिज्म के कई आयाम विकसित हो रहे हैं। आदिवासी और एडवेंचर टूरिज्म की हमारे यहां काफी गुंजाइश है। बस जरूरी है सरकारी और सामाजिक प्रतिबद्धता की। यहां के गांवों और ग्रामसभाओं के परामर्श को प्राथमिकता देनी होगी। गांवों की विरासत के साथ छेड़छाड़ न हो, इसके लिए पंचायतों की राय को सर्वोपरि स्थान देना होगा। ऐसा हुआ तो फिर एक स्वस्थ टूरिज्म विकसित किया जा सकता है। जिससे सरकार को तो रेवेन्यू मिलेगा ही मिलेगा, स्थानीय लोग भी संपन्न हो सकते हैं। कोशिश यह होनी चाहिए कि झारखंड के पर्यटन स्थलों को लोग यहां के प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक समृद्धि के लिए जानें। चारों तरफ पहाड़ियों एवं वनों से भरा हमारा राज्य झारखंड प्रकृति का मनोरम स्थल है। एक बार जो यहां आता है फिर यहीं का होकर रह जाना चाहता है यहाँ की स्वर्णिम भूमि वन-संपदा से संपूर्ण है इसकी प्रकृति छटा अनूठी है पर्यटन को आर्थिक विकास और रोजगार सृजन का एक सशक्त माध्यम माना जाता है। पर्यटन क्षेत्र देश के शीर्ष सेवा उद्योगों में से एक है। इसका महत्त्व आर्थिक विकास और विशेष तौर पर देश के दूरदराज के क्षेत्रों में रोजगार सृजन के एक माध्यम के रूप में महत्त्वपूर्ण है। अंत में, हम कह सकते हैं कि पर्यटन, पर्यटक और सरकार दोनों के लिए एक बहुत ही उत्पादक गतिविधि है। जैसे वे एक साथ एक दूसरे का समर्थन करते हैं। साथ ही, सरकार को देश की स्थितियों में सुधार पर विचार करना चाहिए क्योंकि अधिक से अधिक संख्या में हमारे झारखंड राज्य में पर्यटक के लिए आते हैं।